

# Raghuvar ji ki Aarti (रघुवर जी की आरती)

आरती कीजै श्री रघुवर जी की,  
सत चित आनन्द शिवं सुन्दर की॥

दशरथ तनय कौशल्या नन्दन,  
सुर मुनि रक्षक दैत्य निकन्दन॥

अनुग्रात मक्तुं मक्तुं उरु चन्दन,  
मर्यादा पुरुषोत्तम वर की॥

निर्गुण सगुण अनुप रूप निधि,  
सकलं लोकं वन्दितं विभिन्न विधि॥

हरण शोक-मय दायक नव निधि,  
माया रहित दिव्य नर वर की॥

Shrihanumanchalisa.in

जानकी पति सुर अधिपति जगपति,  
अखिल लोकं पालकं त्रिलोक गति॥

विश्व वन्द्य अवन्ह अमित गति,  
एक मात्र गति सचराचर की॥

शरणागत वत्सल व्रतधारी,  
मक्तुं कल्प तरुवर असुरारी॥

नाम लेत जग पावनकारी,  
वानर सखा दीन दुख हर की॥

[Shrihanumanchalisa.in](http://Shrihanumanchalisa.in)